Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 1 अंक: 17 , 08 अक्टुबर, रविवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक 9879141480 4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्प्लेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

दारूल उलूम ने कहा, आइब्रो बनवाना और बाल कटवाना जायज नहीं

देवबंद। प्रसिद्ध इस्लामिक शिक्षण संस्था दारूल उलूम देवबंद ने मुस्लिम महिलाओं को लेकर जारी फतवे पर कायम रहते दोहराया है कि फैशन परस्ती के लिए बाल कटवाना और आंखों की भौंहों को बनवाना इस्लाम में जायज नहीं है। दारूल उलूम ने ऑन लाइन फतवा जारी कर कहा था कि मुस्लिम महिलाओं का आइब्रो बनवाना और बाल कटवाना नाजायज है जिस पर फतवे को लेकर बहस छिड़ गई थी। इस फतवे के बारे में पूछे गये सवाल पर संस्था ने कहा कि बाल महिलाओं की खूबसूरती होती हैं, बिना मजबूरी के उन्हें कटवाने की हजरत पैगंबर साहब ने मनाही की थी। फतवे में लिखा है कि मजहब-ए-इस्लाम यह भी कहा गया है कि महिलाएं ही नहीं पुरूष भी आईब्रो बनवाते हैं तो वह भी जायज नहीं होगा। फतवे पर मुस्लिम उलेमाओं का कहना है कि आज के आधुनिक दौर में महिलायें सजने संवरने के लिए ब्यूटी पार्लर में जाती हैं। उससे बेपदर्गी होती है जो ठीक नहीं है। मुफ्ती अरशद फारूकी का कहना है कि अगर आइब्रो के बाल बढ़ जाते हैं तो उन्हें ठीक तो किया जा सकता है लेकिन ब्यूटी पार्लर में जाकर आइब्रो बनवाना ठीक नहीं है।

महिला के दोनों गुर्दे नहीं कर रहे थे काम, SC ने दी गर्भपात की मंजूरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक महिला को करीब 31 सप्ताह के गर्भ को गिराने की अनुमति दे दी है। चिकित्सकों के अनुसार इस भ्रूण के दोनों गुर्दे काम नहीं कर रहे हैं। न्यायमूर्ति एके सीकरी, न्यायमूर्ति एएम सप्रे और न्यायमूर्ति अशोक भूषण की तीन सदस्यीय खंडपीठ ने मुंबई स्थित जेजे अस्पताल के मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर महिला के गर्भपात की अनुमति देते हुए इस तथ्य का संज्ञान लिया कि गर्भावस्था बरकरार रखने से उसे और अधिक मानसिक पीड़ा पहुंचेगी। इस अस्पताल में महिला का चिकित्सीय परीक्षण हुआ था। मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, गर्भ में पल रहे बच्चे के दोनों गुर्दे काम नहीं कर रहे हैं और जन्म लेने के बाद भी स्थिति उसके जीवन के अनुकूल नहीं होगी। बोर्ड ने न्यायालय को सौंपी रिपोर्ट में कहा कि वह महसूस करता है कि इस चरण में गर्भ समापन अधिक जोखिम वाला नहीं होगा।

रंजिश: शादी तुड़वाने के लिए बनाया ये प्लान, लेकिन...

भोपाल। मध्यप्रदेश में एक युवक ने दुश्मन की शादी तुड़वाने के लिए उसकी पत्नी के दो फर्जी एकाउंट बनाए और फिर उसे अकाउंट से अश्लील मैसेज भेजे। हालांकि इस मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। मध्यप्रदेश पुलिस की साइबर अपराध शाखा ने इंदौर के एक युवक को आपसी रंजिश के चलते अपने दुश्मन की नवविवाहिता पत्नी की दो फर्जी फेसबुक आईडी बनाए और फिर उनसे अश्लील मैसेज भेजे। साइबर अपराध शाखा की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक, इंदौर की एक युवती ने फेसबुक पर अपनी फर्जी आईडी बनाने और उससे अश्लील संदेश भेजे जाने के बारे में शिकायत दर्ज कराई थी। साइबर अपराध शाखा ने उस आईडी को ब्लॉक कराया, लेकिन उसके कुछ ही दिन बाद एक बार फिर उसी युवती का दूसरा फर्जी आईडी बनाने का मामला सामने आया। साइबर पुलिस ने मामले की जांच के दौरान पाया कि ये फर्जी आईडी इंदौर के रहने वाले अक्षय पुरी गोस्वामी द्वारा चलाया जा रहा है। आरोपी अक्षय ने पुलिस से पूछताछ के दौरन यह बात स्वीकारी कि उसने ये आईडी बनाए थे। उसने बताया कि दोनों की शादी तुड़वाना चाहता था, जिससे आपसी रंजिश का बदला ले सके। खास बात यह थी कि आरोपी युवती को व्यक्तिगत तौर पर नहीं जानता था।

राज्य में विधानसभा की सीटों का गणित

नई दिल्ली। कितनी सीटों पर बनती है सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक माह में तीसरी बार गुजरात दौर पर गए हैं, इसी बात से आप इन चुनावों की सरगर्मियों का अंदाजा लगा सकते हैं। पीएम मोदी के बाद विदेश मंत्री और भाजपा की वरिष्ठ नेता और सुषमा स्वराज गुजरात के विभिन्न हिस्सों में रहने वाली करीब एक लाख महिलाओं के साथ 14 अक्टूबर को अहमदाबाद में महिला टाउनहॉल कार्यक्रम में चर्चा करेंगी।

पीएम का गुजरात दौरा :

जीएसटी में बदलाव से समय से पहले ही देश में दिवाली का माहौल-मोदी

जामनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जामनगर से अपने गुजरात दौरे का आगाज कर दिया है।

पीएम मोदी एयरपोर्ट से द्वारकाधीश मंदिर पहुंचे और यहां पर उन्होंने दर्शन और पूजा की। मंदिर में दर्शन करने के बाद पीएम मोदी ने द्वारका और ओखा को जोड़ने वाले एक पुल का शिलान्यास भी किया। पीएम मोदी दो दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं।

जामनगर में मुख्यमंत्री विजय रूपानी ने पीएम मोदी का स्वागत किया। वडनगर से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पहला पड़ाव जामनगर है। यहां पर मुख्यमंत्री विजय रूपानी ने उनका स्वागत किया।

द्वारका में बनेगा मरीन पुलिस रिसर्च सेंटर

गुजरात के दो दिन के दौरे पर गए पीएम मोदी ने ओखा और बेत द्वारका के बीच एक पुल की आधारशिला रखी। पीएम मोदी ने इस दौरान एक रैली को भी संबोधित किया।

एक नजर डालिए कि पीएम मोदी ने यहां पर लोगों से क्या-क्या खास बातें कहीं।

पीएम मोदी ने कहा कि वह द्वारका में नई चेतना का अनुभव कर रहे हैं। यहां पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। पीएम ने कहा हम द्वारका को ऐसा बनाएंगे कि लोग यहां रुकें और यह महज सिर्फ एक पुल नहीं है, बल्कि एक सांस्कृतिक विरासत है।

पीएम मोदी ने तटों की सुरक्षा के लिए द्वारका में मरीन पुलिस रिसर्च सेंटर बनाने और मरीन पुलिस को ट्रेनिंग देने का ऐलान भी किया।

पीएम मोदी ने यह जिक्र भी किया कि शुक्रवार को जब सरकार ने जीएसटी की दरों में कमी का ऐलान किया तो माहौल बिल्कुल दिवाली जैसा था।

पीएम मोदी के मुताबिक सरकार पहले ही कह चुकी थी कि जीएसटी लागू होने के पहले तीन माह के अंदर वह हर बातों पर नजर रखेगी।

सरकार ने पहले ही कहा था कि तीन माह बाद सरकार इसमें बदलाव करेगी और इसमें कुछ सुधार भी किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जीएसटी के लिए अहम फैसले लिए गए और इन फैसलों का हर जगह स्वागत हो रहा है।

वडनगर में स्वागत की तैयारियां जोरों पर

साल 2014 में देश का प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी पहली बार गुजरात में अपने गांव वडनगर आ रहे हैं,

जहां वो 8 अक्टूबर को मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल का लोकार्पण करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री का वडनगर में रेलवे स्टेशन की नई बिल्डिंग का उद्घाटन करने का भी कार्यक्रम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 और 8 अक्टूबर को दो दिन के गुजरात दौरे पर रहेंगे इस दौरान वो अपने पैतृक गांव वडनगर में एक मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल और कुछ अन्य विकास योजनाओं का उद्घाटन करेंगे। वडनगर में प्रधानमंत्री के स्वागत की तैयारी जोरों पर है।

प्रधानमंत्री के पांच भाई-बहनों में सबसे बड़े भाई सोमाभाई दामोदर दास मोदी ने कहा, 'प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी पहली बार वडनगर आ रहे हैं और इसको लेकर बडनगर और आसपास के गांव बादरपुर, मोलीपुर समेत इस पूरे इलाके में खासा उत्साह है।

वे देश की सेवा में लगे हैं और हम सभी का आशीर्वाद उनके साथ है।'

किराया बढ़ा तो सरकार करेगी कार्रवाई : परिवहन मंत्री

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन (डीएमआरसी) के अध्यक्ष मंगू सिंह को मेट्रो किराया बढ़ाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने मंगू सिंह को पत्र लिखकर कहा है कि अगर वह टिकट के दाम बढ़ाने के प्रस्ताव के साथ आगे बढ़ते हैं तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।डीएमआरसी अध्यक्ष मंगू सिंह को लिखे पत्र में दिल्ली सरकार के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि दिल्ली सरकार दस अक्टूबर से प्रस्तावित मेट्रो किराया बढ़ोतरी का कड़ा विरोध करती है। फेयर फिक्सेशन कमेटी के मापदंड को भी सरकार समझ रही है। एक साल के भीतर दो बार किराया बढ़ाया जाना उचित नहीं है। कैलाश गहलोत ने पत्र में कहा कि दिल्ली सरकार डीएमआरसी बोर्ड में पांच सदस्य मनोनीत करती है। इन्हीं पांच सदस्यों में से एक को प्रबंध निदेशक बनाया जाता है। चूंकि डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक को राज्य सरकार द्वारा नियमों के अनुसार केंद्र की सलाह पर मनोनीत किया जाता है, इसी प्रक्रिया के तहत आपको प्रबंध निदेशक बनाया गया है। अत: आपसे

दिल्ली मेट्रो बोर्ड की बैठक में दिल्ली सरकार का नजरिया पेश करें डीएमआरसी अध्यक्ष : मंत्री

दिल्ली मेट्रो बोर्ड की बैठक में दिल्ली सरकार का नजरिया पेश करने की उम्मीद है। गहलोत ने पत्र में चेतावनी दी कि अगर किसी भी समय दिल्ली सरकार द्वारा यह महसूस किया जाता है कि भाड़ा बढ़ोतरी से संबंधित उसके दृष्टिकोण को सही तरीके से प्रस्तुत नहीं किया जा रहा है तो दिल्ली सरकार वर्तमान नियमों के तहत कदम उठाने के लिए मजबूर होगी। सीधे तौर पर मंगू सिंह को बता दिया गया कि भाड़े में बढ़ोतरी को बाद कड़े कदम उठाए जा सकते हैं।

दिल्ली मेट्रो बोर्ड की बैठक में सचिव एम एम कुट्टी को निर्देश दिया था कि बोर्ड बैठक में किराया बढ़ोतरी का आक्रामक तरीके से विरोध करने के लिए डीएमआरसी बोर्ड के सभी सरकारी मनोनीत निदेशकों की बैठक बुलाई जाए व उन्हें इस संबंध में जानकारी दी जाए। पिछली बार की किराया बढ़ोतरी के पांच महीने के भीतर मेट्रो किराये में दूसरी बढ़ोतरी दस अक्टूबर को लागू होना संभावित है।

फिर दोस्त को दी सांत्वना

52 साल पुराने दोस्त से मिलने के लिए मोदी ने रुकवाया काफिला,

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिनों के गुजरात दौरे पर हैं। अपने इस यात्रा का शुभारंभ पीएम मादी ने ऐतिहासिक द्वारकाधीश मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ किया। मंदिर से निकलने के बाद पीएम मोदी ने अपना काफ्लिा रूकवाकर अपने 52 साल पुराने दोस्त से की थी मुलाकात।

द्वारकाधीश मंदिर में हर दिन के लिए अलग रंग के परिधान में भगवान को सजाने की परंपरा के अनुरूप आज (शनिवार) होने के चलते पीएम मोदी के दौरे के दौरान द्वारकाधीश का नीले रंग के वस्त्र में श्रृंगार किया गया था।

पृष्ठभूमि में हल्के हरे और पीले कपड़ों का भी प्रयोग किया गया था। पीएम सुबह करीब 10.40 में मंदिर परिसर में पहुंचे और यहां लगभग 20 मिनट बिताया, जिसमें करीब आधा समय वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पोडशोपचार विधि से विशेष पूजा में लगा। पूजा अर्चना के बाद जब पीएम मोदी का काफि ला द्वारकाधीश मंदिर से निकला तो

अचानक रूक गया। इसके बाद पीएम मोदी गाड़ी से निकले और एक बुजुर्ग व्यक्ति से मुलाकात की। इस बुजुर्ग का नाम हरिभाई है और वह आरएसएस के कार्यकर्ता रह चुके हैं। वह पीएम मोदी के पुराने दोस्त हैं। हाल ही में हरिभाई की पत्नी की मौत हो चुकी है और इस बात की जानकारी पीएम मोदी को थी। गाड़ी से उतरकर जब पीएम मोदी ने हरिभाई मुलाकात की तो उन्हें सांत्वना दी। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, हरिभाई और पीएम मोदी की दोस्ती 52 साल पुरानी है। ऐसा पहली बार नहीं है जब पीएम मोदी ने अपना काफिला रुकावाया हो। इससे पहले सूरत में भी पीएम मोदी ने अपना काफिला रूकवाकर चार साल से मिले थे क्योंकि वह उनकी गाड़ी के पास आ गई थी।

बाइक के साथ बकरी मुफ्त दे रहा था डीलर

चेन्नई। त्योहारों का सीजन शुरू हो चुका है। तमाम दुकानदार ग्राहकों के लिए तरह-तरह के ऑफ्स ला रहे हैं। इसी तरह तमिलनाडु के एक बाइक डीलर ने ग्राहकों के लिए अनोखा तरीके का ऑफ्र पेश किया है। यह डीलर हर बाइक के साथ ग्राहक को एक बकरी मुफ्त दे रहा है। तमिलनाडु के शिवगंगा जिले में स्थित गायत्री मोटर्स के बाइक आउटलेट पर बकरी देने की वजह से ग्राहकों की काफी भीड़ लग गई। इसके बाद डीलर को यह ऑफ्र रोकना पड़ा। डीलर गायत्री मोटर्स के मालिक ने यह ऑफ्र 11 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक रखा था। लेकिन इतने ग्राहकों ने इसके बारे में जानकारी पूछी कि उसे रद्द करना पड़ा। गायत्री मोटर्स के मालिक वेंकटासामी ने बताया कि हम त्योहरों के सीजन में ज्यादा से ज्यादा बाइक बेचना चाहते थे। इसी दौरान हमनें बाइक के साथ बकरी देने के बारे में सोचा। उन्होंने आगे कहा कि इस ऑफ्र की शुरुआत भी नहीं हुई थी कि पहले दिन सौ से अधिक ग्राहक इस ऑफ्र के बारे में दिलचस्पी दिखाने लगे। फिर हमें आभास हुआ कि शायद हम बकरी डिलीवर न कर पाएं। वेंकटासामी का कहना है कि एक बकरी की कीमत तकरीबन 3000 रुपये होगी लेकिन इतनी ज्यादा बकरियां एक साथ खरीद पाना संभव नहीं होगा।

बाप बना हत्यारा : 3 साल के मासूम का किया कत्ल, शव दफनाया,

नई दिल्ली। मुंबई के घाटकोपरा इलाके में एक सौतले पिता ने 3 साल के मासूम का कत्ल कर शव को दफ्ना दिया। खबरों के अनुसार, आरोपी पिता की पहचान नितिन पठारे के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफ आईआर दर्ज कर शव को कब्रिस्तान से बरामद कर लिया है। पुलिस ने स्थानीय मीडिया को बताया कि आरोपी पठारे कुछ समय पहले अफ्साना कुरैशी नाम की तलाकशुदा महिला से नासिक में मिला था। उसने अफ्साना से शादी का प्रस्ताव रखा तो वह मान गई। इसके बाद अफ्साना अपने दो बच्चों के साथ नितिन के घर में रहने लगी। इसी दौरान अफ्साना के बेटे अली से घर में एक कांच गिलास टूट गया तो नितिन इतना गुस्सा गया कि वह अली की पीट पीटकर हत्या कर डाली। इसके बाद अफ्साना और नितिन दोनों ने वारदात को छिपाने के लिए बच्चे के शव को कब्र में दफ्ना दिया। इसके बाद पठारे अफ्साना की बेटी को भी जान से मारने की धमकी देने लगा। इस बच्ची डर गई और घर से भाग गई। डरी सहमी बच्ची ने पड़ोसियों को घटना के बारे में जानकारी दी, तब लोगों ने पुलिस को घटना के बारे में सूचित किया। खबरों के अनुसार, नितिन ने पुलिस की पूछताछ में बताया है कि वह नहीं चाहता था कि अफ्साना के बच्चे उसके पास रहें। इसीलिए वह अली की हत्या की और अब बेटी का भी कत्ल करने का प्लान था।

चीन में हर दिन 50000 को नौकरी, जबकि भारत में सिर्फ 450 को- राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने हिमाचल प्रदेश के मंडी कहा कि अभी देश में सबसे ज्यादा रोजगार की समस्या है। राहुल गांधी ने इस दौरान रेल मंत्री पीयूष गोयल पर भी भड़क गए और उनके उस बयान को 'असभ्य' बताया है। मंडी में एक रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि आज देश के सामने बेरोजगारी सबसे बड़ी समस्या। चीन की सरकार रोज 50 हजार युवाओं को रोजगार देती है, जबकि मोदी सरकार रोज सिर्फ 450 लोगों को रोजगार देती है। राहुल गांधी ने कहा कि मुख्यमंत्री वीरभद्र राजा नहीं फकीर हैं वे दिल से काम करते हैं। उन्होंने साफ किया कि वीरभद्र सिंह सातवीं बार हिमाचल के मुख्यमंत्री बनेंगे। हिमाचल सरकार ने पांच सालों में 70 हजार को नौकरी दी। गुजरात सरकार ने सिर्फ 10 हजार को नौकरी दी। हिमाचल सरकार ने पांच सालों में 4 मेडिकल खोले। गुजरात सरकार ने कोई मेडिकल कॉलेज नहीं खोला। गुजरात में बेरोजगारी भत्ता नहीं मिलता, हिमाचल सरकार 1000 रुपये बेरोजगारी भत्ता दे रही है।

पीयूष गोयल का बयान

दरअसल 5 अक्टूबर को वर्ल्ड इकॉनमिक फोरम की इंडिया इकॉनमिक समिट में बोलते हुए भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील मित्तल ने कहा, 'अगर टॉप 200 कंपनियां नई नौकरियां सृजित नहीं करती तो पूरे व्यापारिक समाज के लिए समाज को साथ खींच पाना मुश्किल होगा और फिर, आप लाखों-करोड़ों को पीछे छोड़ देंगे।

' इस पर पीयूष गोयल ने टोकते हुए कहा था, क्या सुनील ने जो कहा, मैं उसमें कुछ और जोड़ सकता हूं। सुनील ने कहा कि कंपनियां रोजगार घटा रही हैं जो कि अच्छा संकेत है। तथ्य यही है कि आज, कल का युवा सिर्फ नौकरी की तरफ नहीं देख रहा। वह नौकरी देने वाला बनना चाहता है। देश आज ज्यादा से ज्यादा युवाओं को एंटरप्रेन्योर बनने की इच्छा रखते देख रहा है। राहुल गांधी ने इसी बयान से जुड़ी

खबर का लेख शेयर करते हुए लिखा, यह बेहद अपमानजनक है। मैं इस तरह का बयान देखकर दुखी हूं।

सत्य का सबसे बड़ा मित्र समय है। उसका सबसे बड़ा शत्रु पूर्वाग्रह है और उसका स्थायी साथी विनम्रता है -चार्ल्स कैलब काल्टन

आलोचनाओं के केंद्र

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अर्थनीति एवं समग्र अर्थव्यवस्था के आलोचकों को बिना नाम लिये जिस तरह तयों और तकरे के साथ जवाब दिया है वह यकीनन अपेक्षित था। हालांकि ज्यादातर आलोचनाओं के केंद्र में वित्त मंत्री अरुण जेटली रहे हैं। किंतु अर्थनीति में प्रधानमंत्री की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए आलोचनाओं में मोदी का नाम हो या नहीं निशाने पर वे भी हैं। और नोटबंदी को तो अकेले उनके दिमाग की उपज ही माना जाता है। इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेकेट्रीज ऑफइंडिया के स्वर्ण जयंती समारोह ने उन्हें इसका अवसर भी उपलब्ध करा दिया। उन्होंने एक ओर आलोचनाओं को यह कहकर दरकिनार किया कि अर्थव्यवस्था के आधार मजबूत हैं तो दूसरी ओर देश को आास्त भी किया कि सरकार वित्तीय स्थिरता कायम रखकर निवेश बढ़ाने का कदम उठाती रहेगी, जिससे आने वाले समय में देश विकास की नई लीग में होगा। ऐसा नहीं है कि आलोचक मोदी के तयों और तकरे से संतुष्ट होकर चुप हो जाएंगे। कुछ की आलोचना अभी भी जारी है। मोदी को भी इसका आभास था कि उनके द्वारा विस्तार से आलोचनाओं का जवाब देने के बावजूद वे संतुष्ट नहीं होने वाले। कारण, अर्थव्यवस्था की आलोचना में आर्थिक से कहीं ज्यादा राजनीतिक नजरिये की भूमिका है। वस्तुत: वे अपनी पार्टी सहित, समर्थकों एवं उन लोगों के लिए बोल रहे थे, जो ऐसी आलोचनाओं के आधार पर यह न मान लें कि अर्थव्यवस्था की स्थिति वाकई चिंताजनक है। कह सकते हैं कि इस वर्ग को उन्होंने एक साथ इतने ज्यादा आंकड़े एवं तर्क दे दिए हैं, जिनसे वह आलोचनाओं का मुकाबला कर सकते हैं। जीएसटी में आवश्यक बदलाव का उनका आश्वासन स्वागतयोग्य है। वैसे भी मोदी ने जो कहा उसमें तय गलत नहीं है। अलग-अलग क्षेत्रों में पिछली सरकार से कायरे और निवेशों की तुलना करके उन्होंने यह साफकरने की कवायद की कि आलोचना करने वाले इन सारे तयों को नजरअंदाज कर रहे हैं। सरकार लगातार तेज गति से कदम उठा रही है। इसने सुधारों से जुड़े अनेक महत्त्वपूर्ण फैसले लिये हैं और प्रधानमंत्री ने कहा कि यह प्रक्रिया लगातार जारी रहेगी। बहरहाल, प्रधानमंत्री ने जो भी आंकड़े रखे और तर्क दिए वो उनका दायित्व था, लेकिन देश में यदि विकास और महंगाई को लेकर चिंता की स्थिति बनी है तो उसे दूर किया जाना चाहिए।

एकमात्र चेहरा अखिलेश

समाजवादी पार्टी के आगरा में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को दूसरी बार पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने से शायद ही किसी को ताज्जुब हुआ होगा। इस साल जनवरी में मुलायम सिंह को अपदस्थ करके जब उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया था, उसी समय सुनिश्चित हो गया था कि अब समाजवादी पार्टी का एकमात्र चेहरा अखिलेश हैं और भविष्य में भी रहेंगे। इसीलिए उनका दोबारा राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना किसी अखबार के पहले पेज की खबर नहीं बन पाई। लेकिन इस अधिवेशन का महत्त्वपूर्ण पहलू पार्टी संविधान में संशोधन किया जाना है, जिसके तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यकाल को तीन साल से बढ़ाकर पांच साल किया गया है। इस बदलाव के बाद पार्टी में उनका नियंतण्र पूरी तरह स्थापित हो जाएगा। यह अखिलेश की राजनीतिक दूरदर्शिता है, जिससे इनकार नहीं किया जा सकता। अब 2019 का लोक सभा और 2022 का विधान सभा चुनाव उनके नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। समाजवादी पार्टी का सव्रेसर्वा बनने के बाद लोगों की अपेक्षाएं भी उनसे ज्यादा हो गई हैं। इसीलिएउनकी चुनौतियां भी कम नहीं हैं। प्रदेश में भाजपा के विकल्प के तौर पर अपनी पार्टी को खड़ी करना उनकी सबसे बड़ी चुनौती है। सवाल यह है कि क्या इसके लिए वह पार्टी के संगठनात्मक ढांचे का पूरी तरह रूपांतरण करने का जोखिम उठाना चाहेंगे! सवाल यह भी है कि मुलायम सिंह की परंपरावादी जातिवादी राजनीति से अलग हटकर क्या आधुनिक और सही मायने में प्रगतिशील राजनीति की शुरुआत करेंगे, जिसमें जाति और अपराधी तत्वों के लिएकोई स्थान नहीं रहेगा। इसमें दो राय नहीं कि देश और प्रदेश की राजनीति में उनकी छवि एक स्वच्छ और बेदाग नेता की है। अलबत्ता, युवाओं के बीच वे लोकप्रिय भी हैं। यह भी देखना अभी बाकी है कि वह संगठन में युवाओं को कितना आगे बढ़ाते हैं। ज्यादा वक्त नहीं हुए जब उन्होंने प्रदेश के कुछ अपराधियों को पार्टी से दूर रखने में कामयाबी पाई थी। प्रदेश में वह सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के नेता हैं। आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा कि प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा से लड़ने के लिए विपक्षी दलों की एकता का कोई प्रयास करते हैं या नहीं। उनके नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी की मायावती की बसपा के साथ नये अध्याय की भी शुरुआत हो सकती है, इससे इनकार नहीं किया जा सकता। उम्मीद है उनके युवा नेतृत्व में समाजवादी पार्टी प्रदेश की राजनीति को नई दिशा दिखाएगी।

सत्संग

आत्म-सम्मोहन

आप ध्यान कह रहे हैं, उसमें और आटो-हिप्नोसिस में, आत्म-सम्मोहन में क्या फर्क है? वही फर्क है, जो नींद और ध्यान में है। इस बात को भी समझ लेना उचित है। नींद है प्राकृतिक रूप से आई हुई, और आत्म-सम्मोहन भी निद्रा है प्रयत्न से लाई हुई। इतना ही फर्क है। हिप्नोसिस में-हिप्नोस का मतलब भी नींद होता है-हिप्नोसिस का मतलब ही होता है तंद्रा, उसका मतलब होता है सम्मोहन। एक तो ऐसी नींद है जो अपने आप आ जाती है, और एक ऐसी नींद है जो कल्टीवेट करनी पड़ती है, लानी पड़ती है। किसी को नींद न आती हो तो फिर उसको लाने के लिए कुछ करना पड़ेगा। तब एक आदमी अगर लेटकर सोचे कि नींद आ रही है, नींद आ रही है, नींद आ रही है..मैं सो रहा हूं, सो रहा हूं, सो रहा हूं..तो यह भाव उसके प्राणों में घूम जाए, घूम जाए, घूम जाए, उसका मन पकड़ ले कि मैं सो रहा हूं, नींद आ रही है, तो शरीर उसी तरह का व्यवहार करना शुरू कर देगा। क्योंकि शरीर कहेगा कि नींद आ रही है तो अब शिथिल हो जाओ। नींद आ रही है तो श्वासें कहेंगी कि अब शिथिल हो जाओ। नींद आ रही है तो मन कहेगा कि अब चुप हो जाओ। नींद आ रही है, इसका वातावरण पैदा कर दिया जाए भीतर तो शरीर उसी तरह व्यवहार करने लगेगा। शरीर को इससे कोई मतलब नहीं है। शरीर तो बहुत आज्ञाकारी है। अगर आपको रोज ग्यारह बजे भूख लगती है, रोज आप खाना खाते हैं ग्यारह बजे और आज घड़ी में चाबी नहीं भर पाए हैं और घड़ी रात में ही ग्यारह बजे रुक गई है और अभी सुबह के आठ ही बजे हैं और आपने देखी घड़ी और देखा कि ग्यारह बज गए हैं, एकदम पेट कहेगा भूख लग आई। अभी ग्यारह बजे नहीं हैं, अभी तीन घंटे हैं बजने में। लेकिन घड़ी कह रही है कि ग्यारह बज गए हैं, पेट एकदम से खबर कर देगा कि भूख लग आई है क्योंकि पेट की तो यांत्रिक व्यवस्था है। ग्यारह बजे रोज भूख लगती है। तो ग्यारह बज गए तो भूख लग आई है, पेट खबर कर देगा। पेट बिलकुल खबर कर देगा कि भूख लग आई है। रोज रात बारह बजे आप सोते हैं और अभी दस ही बजे हैं और घड़ी ने बारह के घंटे बजा दिए, घड़ी के घंटे देखकर आप फौरन पाएंगे कि तंद्रा उतरनी शुरू हो गई। क्योंकि शरीर कहेगा कि बारह बज गए, अब सो जाना चाहिए। शरीर बहुत आज्ञाकारी है। और जितना स्वस्थ शरीर होगा, उतना ज्यादा आज्ञाकारी होगा। स्वस्थ शरीर का मतलब ही यह होता है, आज्ञाकारी शरीर।

''लाल-जेहादी आतंक' का मुकाबला

आरएसएस-भाजपा इस मुहिम के जरिए पूरे देश को समझाने की कोशिशों में लगे हुए हैं कि उनके कार्यकर्ता केरल और वामपंथ की महत्त्वपूर्ण उपस्थिति वाली दूसरी जगहों पर भी लगातार कम्युनिस्टों की ``लाल हिंसा' के शिकार हो रहे हैं, कि वामपंथी प्रभाव वाले इलाकों में उनके प्रभाव का विस्तार रोकने के लिए उनके खिलाफ व्यवस्थित रूप से हिंसा का प्रयोग किया जा रहा है। बेशक, यह प्रचार कोई नया नहीं है। फिर भी केरल के पिछले विधान सभा चुनाव में एलडीएफ की जीत के बाद से इस अभियान को बहुत तेज कर दिया गया है। इसी क्रम में वह कई बार अल्पसंख्यक समूहों और जमीनी स्तर पर उनके पक्ष में खड़े होने वाले कम्युनिस्टों।

सतीश पेडणोकर

जनता के इस बढ़ते असंतोष को मोदी सरकार और भाजपा के राजनीतिक विरोध की आवाज बनने से रोकने के लिए वामपंथ को कमजोर करने की कोशिश करना खास तौर पर जरूरी है। अब, जब ज्यादातर विपक्षी पार्टियों को या तो सत्ता पक्ष द्वारा साधा जा चुका है, या सीबीआई केसों समेत तरह-तरह के मामलों में उलझाया जा चुका है, उन्हें वामपंथ से ही खास खतरा है, जिसकी आवाज राजनीतिक-वैचारिक रूप से प्रखर भी है, और आम जनता के बीच उसकी अनुगूंज भी है। पीएम और केरल की उसकी एलडीएफ सरकार, आरएसएस-भाजपा के खास निशाने पर हैं। केरल में कथित ''लाल-जेहादी आतंक' का मुकाबला करने के नाम पर भाजपा अध्यक्ष अमित शाह द्वारा छेड़ी गई ''जन सुरक्षा यात्रा' इसी का एक और सबूत है। इस बहुप्रचारित यात्रा में उन्होंने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।

चार-चार राज्यों के भाजपायी मुख्यमंत्रियों और आधे दर्जन से ज्यादा केंद्रीय मंत्रियों को इस मुहिम में केरल में उतारा जाना, इसी की ओर इशारा करता है। दूसरी ओर, इस मुहिम को देश भर में फैलाने की कोशिश में भाजपा अध्यक्ष ने अपने कार्यकर्ताओं को सभी राज्यों की राजधानियों में सीपीएम कार्यालयों पर प्रदर्शन करने का और राजधानी दिल्ली में सीपीएम केंद्रीय कार्यालय पर इस यात्रा के दौरान दस दिन लगातार प्रदर्शन करने का अभूतपूर्व निर्देश दिया है।

आरएसएस-भाजपा इस मुहिम के जरिए पूरे देश को समझाने की कोशिशों में लगे हुए हैं कि उनके कार्यकर्ता केरल और वामपंथ की महत्त्वपूर्ण उपस्थिति वाली दूसरी जगहों पर भी लगातार कम्युनिस्टों की ''लाल हिंसा' के शिकार हो रहे हैं, कि वामपंथी प्रभाव वाले इलाकों में उनके प्रभाव का विस्तार रोकने के लिए उनके खिलाफ व्यवस्थित रूप से हिंसा का प्रयोग किया जा रहा है। बेशक, यह प्रचार कोई नया नहीं है। फिर भी केरल के पिछले विधान सभा चुनाव में एलडीएफ की जीत के बाद से इस अभियान को बहुत तेज कर दिया गया है। इसी क्रम में वह कई बार अल्पसंख्यक समूहों और जमीनी स्तर पर उनके पक्ष में खड़े होने वाले कम्युनिस्टों, जो राजनीतिक-विचारधारात्मक रूप से उसके सबसे कट्टरविरोधी हैं, से हिंसक झड़पों में भी शामिल रहा है।

2014 के आम चुनाव में देश भर में अपनी सफलता के बाद भी भाजपा केरल में अपना खाता न खोल पाने के बावजूद अपने मत फीसद में ध्यान देने लायक बढ़ोतरी करने में और पहली बार एक अंक की देहली लांघने में कामयाब रही थी। उसके बाद से केंद्र में मोदी सरकार की मौजूदगी से और उत्साहित आरएसएस-भाजपा ने पिछले विधानसभायी चुनाव में बड़ी कामयाबी के लिए बहुसंख्यक सांप्रदायिकता तथा जातिवाद के मेल समेत सभी तिकड़में ही नहीं आजमाई थीं, सीपीएम का प्रमुख सामाजिक आधार माने जाने वाले निचली जाति के एझवा समुदाय में सेंध लगाने की उम्मीद में एसएनडीपी योगम से जुड़े राजनीतिक संगठन भारत धर्म जागरण सेना के साथ गठजोड़ भी किया था। लेकिन इस चुनाव में भी भाजपा को केरल विधान सभा में पहली बार प्रवेश पाने के अलावा ज्यादा सफलता नहीं मिली। उम्मीद के अनुसार कामयाबी नहीं मिलने की आरएसएस-भाजपा की हताशा ने ही केरल में राजनीतिक हिंसा के मौजूदा चक्र की शुरुआत कराई है। यह शुरुआत हुई मुख्यमंत्री के चुनाव क्षेत्र पिनरायी में चुनाव नतीजे की घोषणा के बाद निकल रहे विजय जुलूस पर आरएसएस के हमले से। इस घटना में सीपीएम कार्यकर्ता रवींद्रनाथ की मौत हुई। उसके बाद से चले हिंसा और प्रतिहिंसा के चक्र में अब तक ही आरएसएस के हमलों में सीपीएम के 13 कार्यकर्ताओं की मौत हो चुकी है, और 250 कार्यकर्ता घायल हुए हैं। आरएसएस के लोगों ने सीपीएम और उसके जनसंगठनों के 60 कार्यालयों पर और 165 पार्टी कार्यकर्ताओं के घरों पर हमले किए हैं। लेकिन याद रहे कि भाजपा-आरएसएस की मुहिम सिर्फ''लाल आतंक' के खिलाफ नहीं है। इसमें लाल के साथ जिस तरह ''जेहादी' को भी जोड़ दिया गया है, वह महत्वपूर्ण है। देश की सत्ताधारी पार्टी का जेहाद के साथ कम्युनिस्टों का संबंध जोड़ना सिर्फ निराधार ही नहीं है, सरासर गैर-जिम्मेदराना भी है। लेकिन, अपने खिलाफलाल आतंक का शोर मचाकर और कम्युनिस्टों को आक्रांता बताकर वे शेष देश में तो वामपंथ के प्रभाव को कुछ फीका करने की उम्मीद कर सकते हैं, लेकिन केरल की जनता तो उनके ''निदरेष हिंसा के शिकार' के स्वांग से प्रभावित होने से रही। इसीलिए लाल के साथ ''जेहादी' जोड़ दिया गया है, ताकि बहुसंख्यक सांप्रदायिकता की अपनी

आजमाई हुई दुहाई को दूसरे हाथ से पकड़े रह सकें। इसीलिए अमित शाह की यात्रा में सबसे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ही बुलाया जाता है, जिनकी पहचान सबसे बढ़कर उग्र हिंदुत्ववादी की है। यह भी संयोगवश नहीं है कि योगी आदित्यनाथ केरल में पहुंचकर ''लव जेहाद' का राग छेड़ते हैं और एलडीएफसरकार की इसे रोकने में विफल रहने के लिए आलोचना करते हैं। लेकिन, कथित ''लाल जेहादी आतंक' के खिलाफ इस अभियान की टाइमिंग भी महत्वपूर्ण है। इसे हाई पिच अभियान बनाने का फैसला अगस्त के महीने आरएसएस-भाजपा समन्वय बैठक में लिया गया बताते हैं। याद रहे कि यह वही समय था, जब नोटबंदी की विफलता से लेकर जीएसटी की तकलीफों तक और आर्थिक वृद्धि दर गिरने से लेकर रोजगार में कमी तक आम जनता की जिंदगी के लिए बुरी खबरें आ रही थीं। मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों पर जनता के असंतोष का पारा चढ़ रहा था। जनता के इस बढ़ते असंतोष को मोदी सरकार और भाजपा के राजनीतिक विरोध की आवाज बनने से रोकने के लिए वामपंथ को कमजोर करने की कोशिश करना खास तौर पर जरूरी है। अब, जब ज्यादातर विपक्षी पार्टियों को या तो सत्ता पक्ष द्वारा साधा जा चुका है, या सीबीआई केस समेत तरह-तरह के मामलों में उलझाया जा चुका है, उन्हें वामपंथ से ही खास खतरा है, जिसकी आवाज राजनीतिक-वैचारिक रूप से प्रखर भी है, और आम जनता के बीच उसकी अनुगूंज भी है। इसीलिए आज वामपंथ पर यह हमला है। पर क्या टाट के पदरे से आंधियां रुक सकती हैं?

चलते चलते

अतिथि देवो भवः

> मेहमान का निरादर करने की मनाही थी। गलती से निरादर हो जाने में भी संस्कृति से लेकर अर्थव्यवस्था तक को क्षति पहुंचाने का दोषी मान लिए जाने का खतरा था। उसने जब दसवीं बार कहा ताजमहल, तो मैंने ग्यारहवां विकल्प सुझाया-मथुरा का द्वारकाधीश मंदिर। वह बोला-अब भी, ग्यारहवीं जगह भी ताजमहल नहीं। मुझे कहना पड़ा-कभी नहीं, सौवीं जगह भी नहीं। मेहमान का सुर रुआंसा था-ताजमहल ही क्यों नहीं?

मेहमान था। आमिर खान के निकाले जाने और अमित जी के आते-आते रह जाने के बाद भी अतिथि देवो भव: चल रहा था। मेहमान का निरादर करने की मनाही थी। गलती से निरादर हो जाने में भी संस्कृति से लेकर अर्थव्यवस्था तक को क्षति पहुंचाने का दोषी मान लिए जाने का खतरा था। उसने जब दसवीं बार कहा ताजमहल, तो मैंने ग्यारहवां विकल्प सुझाया-मथुरा का द्वारकाधीश मंदिर। वह बोला-अब भी, ग्यारहवीं जगह भी ताजमहल नहीं। मुझे कहना पड़ा-कभी नहीं, सौवीं जगह भी नहीं। मेहमान का सुर रुआंसा था-ताजमहल ही क्यों नहीं? मैं भी हार कैसे मान लेता। आखिर, संस्कृति का मामला था, पूछा-ताजमहल ही क्यों? वह मुस्कुराया-सुना है कि दुनिया की प्यार की सबसे खूबसूरत निशानी है। मैं ही उन लोगों में क्यों रह जाऊं जिन्होंने जिंदगी में ताजमहल भी नहीं देखा। मैंने दलील दी-प्यार की निशानी पर ही कब तक अटके रहेंगे। वैसे, प्यार की निशानी द्वारकाधीश का मंदिर भी है, राधा-कृष्ण के प्यार की निशानी। उसने बीच का रास्ता निकालने की कोशिश की-दोनों क्यों न देख लूं। यह तो सरासर चीटिंग थी। मैंने चिढ़कर कहा-सिर्फयहां-वहां भटकना है, या भारत को जानना भी है? भारत को जानना है तो गंगा को जानो, गाय को जानो, न हो तो हिमालय पर चढ़ जाओ, पर ऊपर उठो, प्रेम में पड़ो मत। मेहमान परेशान हो उठा-यानी ताजमहल नहीं देख सकते। देखना मना है? मुझे सफाई देनी पड़ी-मना है, कब कहा? हम तो बस विकल्प दे रहे हैं, ऑरीजिनल से बेहतर विकल्प ताकि तुम्हें भारतीय संस्कृति का बेहतर परिचय मिले। तुम्हारी यात्रा खाली यात्रा ही नहीं रहे, तीर्थयात्रा बन जाए। उसने कहा-मगर मैं ताजमहल..। मैंने मन ही मन गाली दी-भाड़ में जा! जाहिर है कि ऐसे जिद्दियों को हतोत्साहित करना काफी नहीं। मुए ताजमहल को पर्यटन विभाग के प्रकाशन से गायब करना काफी नहीं है। क्यों न बाबरी मस्जिद की तरह ताजमहल पर भी संपत्ति विवाद खड़ा कर दिया जाए। उसका नाम भी बदलवा कर विवादास्पद इमारत कर दिया जाए। ताज ही नहीं रहेगा तो कोई वाह ताज क्यों कहेगा? भारतीय संस्कृति के रास्ते का कांटा निकल जाएगा।

मुद्दा

सर्व शिक्षा मिशन

एन्युअल स्टेट्स ऑफ एजुकेशन द्वारा 2016 में किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार 11 से 14 वर्ष की उम्र के 3.5 प्रतिशत और 15 से 16 के बीच की आयु के 13.5 प्रतिशत बच्चों ने स्कूल जाना छोड़ दिया है। प्राथमिक स्तर पर यह प्रतिशत 2012-13 में 5.6 था। यूनेस्को के इंस्टीटयूट फॉर स्टेटिस्टिक्स एंड ग्लोबल एजुकेशन मॉनिटिरंग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में हर साल उच्चतर माध्यमिक स्तर पर 4.70 करोड़ बच्चे स्कूल छोड़ देते हैं। ऐसा किस कारण से होता है?समाजशास्त्रियों का कहना है कि बच्चों द्वारा शिक्षा अधूरी छोड़ देने के अनेक कारण हैं। कई बार सवाल उठता है कि सरकार के सर्व शिक्षा अभियान जैसे पहाड़ी प्रयास कहीं चुहिया नतीजे तो नहीं दे रहे? लेकिन शक्तिमान जैसी संस्थाओं के उदाहरण आास्त करते हैं। यह दृश्य कोलकाता के ताराटोला में निर्माणाधीन मेट्रो लाइन के पास लंबी-चौड़ी झुग्गी बस्ती का है, जिसमें 1300 परिवार रहते हैं। ईजेसी बस्ती नाम से यह इलाका कोलकता पोर्ट ट्रस्ट और रेलवे की जमीन पर बसा है, जिसमें बिहार और उत्तर प्रदेश से पहुंचे विस्थापित रहते हैं। स्कूल के बाद 15 वर्षीय सोनी खातून अपने जैसे बच्चों को खोजने, उनसे बातें करने और उनसे पूछने के लिए ''ईजेसी बस्ती' का दरवाजा खटखटाना शुरू करती है कि वे स्कूल जाते हैं, या नहीं या फिर घरवाले उनकी शादी तो नहीं करवा रहे हैं। एक पुरानी नोटबुक में वह उनके जवाब ध्यानपूर्वक नोट करती है। जल्दी ही सोनी की पड़ोसन सरस्वती धानुक, जो उसी की तरह पंद्रह साल की है, और झुग्गी बस्ती के 13 अन्य बच्चे भी उसके साथ आ जाते हैं। एक गैराज पर रुक कर पता लगाते हैं कि बच्चे नौकरी में हैं या नहीं। उनके जवाब नोटबुक में लिखते चलते हैं। सोनी और सरस्वती शक्तिमान का हिस्सा हैं। शक्तिमान बच्चों का ग्रुप है, जो कभी खुद पढ़ना छोड़ चुके थे, अब वे बाल श्रम से लड़ रहे हैं, बाल विवाह रोक रहे हैं, और बच्चों को वापस स्कूल भेज रहे हैं। सोनी और उसके साथी एक बार किसी बच्चे को गैराज में काम करते या स्कूल न जाते हुए पहचान लेते हैं। फिर ग्रुप बनाकर उसके घर जाते हैं। लोकप्रिय कॉमिक बुक हीरो के नाम पर छह साल पहले शुरू किया गया शक्तिमान सर्व शिक्षा अभियान या जैसा कि उसे प. बंगाल में सर्व शिक्षा मिशन के नाम से जाना जाता है, राज्य शासन और सेव द चिल्ड्रन नामक अशासकीय संगठन का सहयोगात्मक प्रयास है। इसमें स्थानीय शासन के प्रतिनिधि और स्कूल भी शामिल हैं। आज इसमें 19 ग्रुप और 183 बच्चे हैं, जो 14 झुग्गी बस्तियों में सक्रिय हैं। अधिकतर स्कूल छोड़ चुके ये बच्चे बाल अधिकारों में प्रशिक्षित हैं। पार्क सर्कस, राजा बाजार, किद्दरपुर और साइन्स सिटी के पास अपने जैसे दूसरों को छुड़वाने के लिए फैले हुए हैं। वे समुदाय के नेताओं और स्थानीय राजनीतिज्ञों के साथ काम करते हैं। हाथ से सफाई करने, छोटे कारखानों और गोदी में बाल श्रम के मामलों से निपटने के लिए खुद आगे आते हैं। यौन शोषण और खरीद फरोख्त के शिकारों का पता लगाने में भी मदद करते हैं। दरअसल, गंदी बस्तियों और सड़कों पर बच्चों तक पहुंचना एक बहुत बड़ी समस्या है। ऐसे में अशासकीय संस्थाएं महती भूमिका निभा सकती हैं। यह बात शक्तिमान ने साबित कर दी है। जहां तक सोनू और सरस्वती का सवाल है, दो साल पहले की यह घटना सब कुछ बयां करती है। 2015 में ये दोनों लड़कियां और इनके साथी स्थानीय विधायक के पास गए। उनसे कंक्रीटकी एक सड़क बनवाने का अनुरोध किया।

शुरू में तो कुछ नहीं हुआ लेकिन इन्होंने हतोत्साहित होकर पीछा नहीं छोड़ा और उनसे कई बार मिले। पहली बार तो उन्हें यह भी मालूम नहीं था कि विधायक का दफ्तर कहां है। उनका ग्रुप पुलिस वालों और लोकल रहवासियों से रास्ता पूछता हुआ पैदल गया। उन्होंने विधायक का दफ्तर खोज लिया जो उनके ठिकाने से कुछ किलोमीटर दूर था, और उसे सारे पड़ोसियों से दस्तखत करवा कर एक पत्र थमा दिया। अब सड़क बन रही है।

अर्थव्यवस्था की सेहत का सवाल

आभा स्वामी

पूरे देश में टैक्स की एक प्रणाली के रूप में वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी को लागू करते समय यह आशंका व्यक्त की गई थी कि इसके चलते अर्थव्यवस्था में कुछ समय के लिए ठहराव की स्थिति देखने को मिल सकती है। वर्तमान में ऐसा ही दिख रहा है। पिछली तिमाही में विकास दर जिस तरह 5.7 प्रतिशत ही दर्ज की गई, उससे तमाम राजनेता और कुछ अर्थशास्त्री यह कहने लगे कि अर्थव्यवस्था के हालात ठीक नहीं हैं। उनकी चिंता के कुछ उचित आधार हो सकते हैं, लेकिन महज एक तिमाही में विकास दर में गिरावट के आधार पर यह नहीं कहा जा सकता कि देश की अर्थव्यवस्था रसातल में जा रही है और आर्थिक सुस्ती ने स्थायी रूप ले लिया है। गौरतलब है कि तेज विकास के लिहाज से सात प्रतिशत की दर को ठीक-ठाक माना जाता है और भारत पिछले दो-तीन वर्षों में औसतन इसी रफ्तार से प्रगति कर रहा है। इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि विकास दर में गिरावट से केंद्र सरकार के नीति-नियंता चिंतित हैं और उनकी ओर से ऐसे कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाया जा सके। अर्थव्यवस्था पर जीएसटी का प्रभाव कोई नई-अनोखी बात नहीं, क्योंकि जिन भी देशों में जीएसटी जैसी व्यवस्था लागू की गई, उनमें शुरुआती कुछ महीनों में मंदी जैसे हालात सामने आए और फिर बाद में अर्थव्यवस्था को कई स्तरों पर फायदा हुआ। स्पष्ट है कि यह उम्मीद अनुचित नहीं कि चंद महीनों बाद जब जीएसटी व्यवस्था ठीक तरीके से लागू हो जाएगी और उद्योग-व्यापार जगत इसे भलीभांति समझ लेगा, तो आर्थिक तस्वीर में बुनियादी बदलाव देखने को मिलेगा। किसी भी सरकार के कामकाज का एक महत्वपूर्ण पैमाना अर्थव्यवस्था की हालत होती है। अर्थव्यवस्था में थोड़ी सी भी गिरावट के संकेत दिखते ही लोग सरकार के कामकाज में मीनमेख निकालने लगते हैं और तमाम तरह के सुझाव दिए जाने लगते हैं। इसके साथ ही राजनेता और अर्थशास्त्री अपने-अपने हिसाब से विश्लेषण करने लगते हैं।

इस सबकी चर्चा मीडिया में होने लगती है और इस तरह जनता भी आर्थिक हालात के प्रति सजग हो जाती है। अर्थव्यवस्था में गिरावट विपक्ष को सरकार की बखिया उधेड़ने का मौका देती है। इन दिनों वह इसी मौके का लाभ उठा रहा है। इसी क्रम में वाजपेयी सरकार में वित्त मंत्री रहे यशवंत सिन्हा ने भी एक लेख लिखकर आर्थिक हालात की डरावनी तस्वीर खींच दी। एक अर्थशास्त्री के रूप में उन्हें आर्थिक स्थिति की समीक्षा करने का अधिकार है, लेकिन दुर्भाग्य से उनका इरादा मौजूदा वित्त मंत्री अरुण जेटली के खिलाफअपनी भड़ास निकालना अधिक रहा।

उनके लेख में न तो आर्थिक हालात की बेहतरी का कोई सुझाव था और न ही मौजूदा स्थिति की कोई तर्कपूर्ण समीक्षा। देश की आर्थिक स्थिति पर यशवंत सिन्हा का आकलन मोदी सरकार के लिए राजनीतिक तौर पर भले ही एक मसला बन गया हो, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अर्थव्यवस्था की सेहत एक या दो सेक्टरों से तय नहीं होती। अर्थव्यवस्था के तमाम आधार होते हैं। उनमें समय-समय पर उतार-चढ़ाव भी दिखता रहता है। लगता है कि यशवंत सिन्हा ने यह सब देखने-समझने से इसलिए इनकार किया, क्योंकि वह जेटली को कोसना चाह रहे थे। जाहिर है कि इसके जवाब में जेटली ने भी तीखे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए यशवंत सिन्हा को अस्सी साल में रोजगार ढूंढ़ रहे व्यक्ति की संज्ञा दी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के 2 दिन बाद पिता से मिलने पहुंचे अखिलेश, अधिवेशन में नहीं शामिल थे मुलायम

लखनऊ.समाजवादी पार्टी में 5 साल के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद अखिलेश यादव शनिवार को पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव से मिलने उनके आवास पांच विक्रमादित्य मार्ग पहुंचे। बताया जा रहा है कि आगरा में अखिलेश यादव को राष्ट्रीय अध्यक्षता मिलने के बाद ये पहली मीटिंग है। अटकलें लगाई जा रही है कि मीटिंग में 2019 चुनाव और पार्टी के दिशा निर्देश पर कई अहम फैसले भी लिए जा सकते हैं।अखिलेश ने मुलायम को आने का दिया था न्योता

- इससे पहले अखिलेश यादव 28 सितंबर को मुलायम सिंह से मिलने के लिए पहुंचे थे। इस मुलाकात में अखिलेश ने मुलायम को आगरा में होने वाले 5 अक्टूबर को राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल होने का न्योता दिया था। इसके बावजूद भी मुलायम सिंह इस अधिवेशन में नहीं पहुंचे।

- वहीं, सपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद अखिलेश यादव

शनिवार को एक बार फिर मुलाकात के लिए पहुंचे। पॉलिटिकल पंडितों ने यह भी कहा गया कि मुलायम के नई पार्टी बनाने से इनकार के बाद ही अखिलेश ने उनसे मुलाकात की थी।

9 महीने बाद अखिलेश दोबारा बने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

- 5 अक्टूबर को 9 महीने बाद अखिलेश यादव दोबारा निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए। इस दौरान न्योता देने के बावजूद मुलायम सिंह यादव नहीं पहुंचे।

- अखिलेश को अगले 5 साल के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। इस अधिवेशन में देश भर से करीब 15 हजार पार्टी डेलिगेट्स हिस्सा लिया था।

- बता दें, अखिलेश को पहली बार 1 जनवरी 2017 को राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया था। अधिवेशन में चलने के लिए ऑफर देते रहे मुलायम, शिवपाल बोले- आप जाओ

- एक तरफ ताजनगरी में समाजवादी पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन चल रहा था तो दूसरी तरफ लखनऊ में मुलायम अपने छोटे भाई शिवपाल यादव को आगरा चलने के लिए मनाते रहे थे।

- 05 अक्टूबर को ही लगभग 30 मिनट बैठक हुई, जिसमें शिवपाल के करीबी और हाल ही में बसपा छोड़ने वाले नारद राय भी मौजूद थे।

- इस दौरान शिवपाल ने जाने से साफ मना कर दिया। साथ ही उन्होंने कहा था- ''न तो हमें अधिवेशन के लिए न्योता आया है और न ही हमें वहां जाकर कुछ बोलना है।''

- हालांकि, शिवपाल सिंह यादव ने 4 अक्टूबर को ही फोन करके अखिलेश को सपा का सुल्तान बनने की बधाई दे दी थी। अगले दिन फिर से ट्वीट करके बधाई दी थी।

नस काट खून से लथपथ जमीन पर गिरा, बोला- मौत के बाद वो समझेगी

वाराणसी.काशी में शुक्रवार को एक लड़के ने एकतरफा प्यार में हाथ की नस काट सुसाइड की कोशिश की। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस उसे मेडिकल के लिए ले गई। मामले की जांच की जा रही है। शोरूम के बाहर पीयूष नाम के एक लड़के ने अपने हाथ की नसों पर कई वार किए और जमीन पर गिर पड़ा।शोरूम मालिक शैलेश जैन ने बताया कि लड़की हमारे यहां तीन दिन से एक मोबाइल कम्पनी द्वारा काम के लिए भेजी गई है। उसकी कोई गलती नहीं है। लड़का अचानक शॉप के बाहर चिल्लाकर ब्लेड से अपने पर वार करने लगा। प्रत्यक्षदर्शी रतन ने बताया कि युवक कह रहा था, ''मैं उसके बिना कैसे रह पाऊंगा। उससे बहुत प्यार करता हूं, मुझे मर जाने दो। मेरे प्यार को मेरे मौत के बाद वह समझेगी।''

सपा का प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मिला, योगी सरकार में हो रहे एनकाउंटर पर उठाए सवाल

लखनऊ.प्रदेश में एनकाउंटर कर सरकार जहां अपनी पीठ थपथपा रही है, वहीं अब इसके खिलाफ विरोध के स्वर भी उठने लगे हैं। समाजवादी पार्टी के 5 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को राज्यपाल राम नाईक से मुलाकात कर प्रदेश में हो रहे एनकाउंटर का मुद्दा उठाया। आगे -अभी हाल ही में ग्रेटर नोएडा में पुलिस एनकाउंटर में मारे गए सुमित गुर्जर का मामला गर्म हो गया है। इस एनकाउंटर को उसके परिवार वाले फर्जी बता रहे हैं। इस मामले को देखते हुए समाजवादी पार्टी ने राज्यपाल से मांग की है कि वह प्रदेश में चल रहे एनकाउंटर के बीच हो रहे फर्जी एनकाउंटर पर रोक लगाई जाए।

-प्रतिनिधिमंडल में सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम, राजेंद्र चौधरी और अहमद हसन भी शामिल रहे। योगी सरकार में शुरू हुआ एनकाउंटर

-कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाने के लिए यूपी सरकार ने एनकाउंटर कर अपराधियों में खौफ बनाने लगी है। सीएम योगी

के निर्देश के बाद इस साल 1 अप्रैल से 14 सितम्बर 2017 तक कुल 420 मुठभेड़ हुई। जिसमें 15 कुख्यात बदमाशों को पुलिस ने मार गिराया गया है। 1104 बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है।

-इसके अलावा गोली लगने से 84 बदमाश घायल हुए हैं। 420 मुठभेड़ों में 88 पुलिसकर्मी भी गोली लगने से घायल हुए हैं, जबकि एक दारोगा जय प्रकाश चित्रकूट में शहीद हो गए।

-इस अभियान में 868 इनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। 54 अपराधियों पर लगाया गया है। इसी तरह 69 बदमाशों की अवैध सम्पत्तियां जब्त की गई है। इस एनकाउंटर पर उठे सवाल

-3 अक्टूबर को ग्रेटर नोएडा में पुलिस एनकाउंटर में मारे गए सुमित गुर्जर के मामले में परिजनों ने इस एनकाउंटर को फर्जी बताते हुए पुलिस को हत्यारा करार दिया है। एक तरफ जहां नोएडा पुलिस का दावा है कि कैश वैन लूटने के बाद ड्राइवर की हत्या के बाद दो बदमाशों के साथ सुमित गुर्जर भाग रहा था, तभी उसे मुठभेड़ में मार दिया गया। वहीं, परिजनों का कहना है कि नोएडा पुलिस सुमित को पूछताछ के लिए उठाकर ले गई थी।

बच्ची से रेप कर हत्या के आरोपी की फांसी की सजा बहाल, कोर्ट

इलाहाबाद.हाईकोर्ट ने नाबालिग बच्ची की रेप और हत्या के आरोपी कुशीनगर के पप्पू को फांसी की सजा को बरकरार रखा है। कोर्ट ने इस जघन्य कृत्य को विरल से विरलतम श्रेणी का अपराध माना है। कोर्ट ने कहा है कि ऐसे कुकृत्य के अपराधी को फांसी की सजा देने से समाज में गहरा असर पड़ेगा और अपराधी का मनोबल गिरेगा।यह आदेश न्यायमूर्ति शशिकांत गुप्ता और न्यायमूर्ति प्रभात चन्द्र त्रिपाठी की खंडपीठ ने सत्र न्यायालय पडरौना द्वारा सुनायी गई फांसी की सजा बहाल रखते हुए दिया है। निर्णय सुनाते हुए न्यायमूर्ति त्रिपाठी ने कहा, सात साल की बच्ची को बहला-फुसलाकर 35 साल के आरोपी द्वारा रेप कर के हत्या कर लाश छिपा देना क्रूरतम कृत्य है। मामले के अनुसार कुशीनगर के गांव सबायाखास थाना कसया के अन्तर्गत 4 मई 15 को साढ़े 12 बजे बच्ची की मां ने प्राथमिकी दर्ज कराई कि 3 मई की शाम पड़ोस में सहेली के साथ खेल रही सात वर्षीय बच्ची को आरोपी पप्पू ने लीची तोड़ने का लालच देकर दुराचार किया और हत्या कर लाश दूर फेंक आया। सत्र न्यायालय ने 8 दिसम्बर को 16 को फांसी की सजा सुनायी और हाईकोर्ट को प्रेषित कर दिया।

भयंकर एक्सीडेंट में 5 की मौत, 10 घायल

ललितपुर. नेशनल हाइवे पर शुक्रवार देर रात तेज रफ्तार कन्टेनर ने ट्रैक्टर ट्रॉली में जोरदार टक्कर मार दी। इस एक्सीडेंट में 5 कसिानों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक दर्जन लोग घायल हो गए। दूसरी ओर, घायलों ने आरोप लगाया कि मौके पर पहुंची पुलिस मदद करने की बजाय उनकी जेबें टटोलने लगी और डेढ़ लाख रुपए निकाल लिए गए। जिला प्रशासन ने रुपए निकाले जाने के मामले की जांच के आदेश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, ललितपुर जलि के नाराहट थानाक्षेत्र स्थित सिंगरवारा गांव के रहने वाले एक दर्जन से अधिक किसान गांव के ही ट्रैक्टर ट्रॉली से गेंहू बेचने मंडी आए थे। शुक्रवार की रात जब अनाज बेचकर वापस गांव लौट रहे थे, तभी राष्ट्रीय राजमार्ग सागर पर बमरोला गांव के पास उनका ट्रैक्टर खराब हो गया। इसके बाद लोग पीछे आ रहे गांव

के मुलायम लोधी के ट्रैक्टर में सवार हो गए। अभी कुछ ही दूरी पर गए थे कि पीछे से आ रहे तेज रफ्तार कन्टेनर ने ट्रॉली में टक्कर मार दी। ट्रॉली में सवार कसिान उछलकर सड़क पर गरि गए। इसी दौरान कन्टेनर ने 5 किसानों को कुचल दिया। घायल किसान सुनील ने बताया, ''सूचना मलिते ही दयाल 100 के पुलसिकर्मी मौके पर पहुंचे। मैं होश में था। पुलिसकर्मी आए और उन्होंने सभी की जेबें टटोलना शुरू कर दी।''

''हमलो मंडी से उर्द की फसल बेचकर आ रहे थे। सभी कसिान की जेब में करीब 10 से 20 हजार रुपए थे। करीब डेढ़ लाख रुपए किसानों की जेबों से पुलिसकर्मियों ने निकाल लिए। मौके पर कोतवाली पुलिस पहुंची। इसके बाद किसानों को हॉस्पिटल ले जाया गया।''

क्या कहते हैं पुलिस अधिकारी

अपर एडिशनल एसपी अवधेश कुमार ने बताया, कसिानों की जेब से रुपए निकाले जाने के मामले में जांच के आदेश दिए गए हैं। अगर ऐसा हुआ है तो आरोपी पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। टक्कर मरने वाले कंटेनर के ड्राइवर को अरेस्ट कर लिया गया है।

शहर कोतवाल भरत पांडेय ने बताया, किसानों के शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

राजूपाल मर्डर केस की आई विटनेस रूखसाना के घर पर फायरिंग,5 लोगों के खिलाफ नामजद

इलाहाबाद. बहुचर्चित राजू पाल हत्याकांड की चश्मदीद गवाह रुखसाना बेगम के घर शुक्रवार रात को कुछ लोगों ने फायरिंग कर दी। रुखसाना का कहना है,''गांव के ही लोगों ने उस पर जानलेवा हमला किया है। इस बारे में पांच लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर दी गयी है। पुलिस का कहना है कि एफआईआर दर्ज हो गयी है। करेली थाना इलाके के बक्शी मोड़ा मोहल्ले की रहने वाली रुखसाना अपने परिवार के साथ रहती हैं। शुक्रवार की रात करीब 9.30 बजे गांव के कुछ लोग उनके घर की छत पर चढ़ गए और उन पर हमला कर दिया। वह जान बचाकर घर के अंदर भागी तो उन लोगों ने फायरिंग शुरू कर दी।

पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है

राजू पाल ने बाहुबली अतीक के भाई को दी थी पटखनी

साल 2004 के विधानसभा चुनाव में बाहुबली अतीक अहमद के गढ़ माने जाने वाले इलाहाबाद शहर पश्चिमी से बसपा के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरे राजू पाल ने अतीक के भाई खालिद अजीम उर्फ मो. अशरफ को पटखनी दे दी थी। विधायक बनने के चौथे महीने 25 जनवरी 2005 को विधायक राजू पाल की धूमनगंज थाना क्षेत्र के सुलेम सराय बाजार में घेरकर हत्या कर दी गयी थी।

बिहार

दहेज की डिमांड नहीं हुई पूरी, फिर सैनिक पति ने पत्नी को सरिया गर्म कर दागा

हाजीपुर.वैशाली जिले के महुआ थाना एरिया में एक फौजी ने वायदे के मुताबिक दहेज में चार तोला सोना और चार चक्का गाड़ी न मिल पाने पर पत्नी को घर में बंद कर गर्म सलाखों से दाग दिया। बताया जा रहा है कि दोनों की शादी पांच महीने पहले हुई थी। आरोपी फौजी छुट्टी पर घर आया हुआ है। दोनों के पिता दोस्त थे जिन्होंने दोस्ती को बच्चों की शादी कर रिश्तेदारी में बदल दी थी। पिता के साथ पहुंची थाना...

राघोपुर जुड़ावनपुर के रहने वाले प्रेमशंकर सिंह और महुआ थाना एरिया के बिलंदपुर के प्रभाकर सिंह दोनों सेना से रिटायर हैं। वे दोनों लखनऊ से रिटायर हुए हैं। एक ही जिले के होने के कारण वे दोनों गहरे दोस्त भी थे। उन दोनों ने अपनी दोस्ती को रिश्तेदारी में बदलने का इरादा किया।

प्रेमशंकर सिंह की बेटी अर्चना है और प्रभाकर सिंह का बेटा

रश्मिरंजन। दोनों की शादी तय कर दी गई। पांच माह पहले इसी जून माह में दोनों की शादी धूमधाम से हुई थी।

कहा, खुद अपने पैरों पर खड़े होकर इंसाफ के लिए लड़ूंगी

अर्चना ने बताया कि लखनऊ तक पति का रवैया उसके प्रति ठीक-ठाक था। हालांकि गाड़ी के लिए वह अकसर ताना मारा करता था। घर आते ही मां, भाभी और परिवार वालों के उकसाने पर उसने रंग बदल दिए। उसके साथ ऐसा सलूक किया जो कोई जालिम व्यक्ति भी नहीं कर सकता है।

अर्चना ने कहा कि वह उन लड़कियों में से नहीं है जो ऐसे हालात में टूट जाती हैं। वह अब अपने पैरों पर खड़े होकर दिखाएगी। इंसाफ के लिए जरूरी हुआ तो वह सुप्रीम कोर्ट तक जाएगी। रश्मिरंजन लखनऊ में ही पोस्टेड है। शादी के बाद अर्चना पति के साथ लखनऊ चली गई थी। अर्चना पढ़ाई में काफी बुद्धिमान रही है।

घर-गृहस्थी संभालने के साथ ही लखनऊ में रहकर वह बैंकिंग की तैयारी कर रही थी। दुर्गा पूजा में छुट्टी मिलने पर रश्मिरंजन पत्नी अर्चना के साथ घर आया था।

ससुराल आते ही अर्चना को सास, जेठानी के उलाहने मिलने शुरू हो गए। घर वालों के उकसाने पर पति रश्मि रंजन हैवान बन गया। घर में पत्नी को बंद कर गर्म सलाखों से सारा बदन दाग दिया।

पिता के साथ पीड़िता पहुंची थाना हैवानियत के साथ पेश आने के बाद अर्चना को घर में बंद कर रखा गया था। किसी पड़ोसी ने ही प्रेमशंकर सिंह को सूचना दी।

सूचना मिलने के साथ ही रोते-बिलखते बेटी के घर आए। दर्द से छटपटा रही अर्चना ने पिता को आपबीती सुनाई।

चंद सेकेंड में गंगा में समा गया दो मंजिला स्कूल, देखते रह गए गांव के लोग

भागलपुर. बिहार के भागलपुर में एक स्कूल देखते ही देखते गंगा नदी में समा गया। नदी के कटाव के चलते गांव के लोगों को इसका अंदेशा पहले से था। खतरे को देखते हुए लोग स्कूल और उसके पास स्थित घरों को छोड़कर बाहर जमा थे। इसी दौरान नदी किराने कटाव तेज हुआ और किनारे की मिट्टी ढहने लगी। चंद सेकेंड बाद दो मंजिला स्कूल गिरकर नदी में समा गया। स्कूल को गिरता देख चिल्लाने लगे लोग...

यह घटना शुक्रवार को नारायणपुर प्रखंड के बैकठपुर दुधैला पंचायत में घटी। पिछले एक सप्ताह के बैकठपुर दुधैला पंचायत में कटाव तेजी से हो रहा था।

शुक्रवार को पानी स्कूल के भवन के ठीक पीछे तक पहुंच गया। गांव के लोगों को इस बात का अंदेशा था कि आज स्कूल का अंतिम दिन है।

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने नीतीश से की मुलाकात, कहा- बरौनी में खुलेगा नया खाद कारखाना

पटना.बरौनी में नया खाद कारखाना खुलेगा। नए पेट्रो-केमिकल यूनिट की भी स्थापना होगी। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ दो घंटे तक बैठक की। इस दौरान उन्होंने बिहार में पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा खोली जाने वाली नई इकाइयों की जानकारी दी। प्रधान ने मुख्यमंत्री से राज्य में पेट्रोलियम पदार्थ पर वैट में 5 फीसदी कटौती की अपील की।

उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि राज्य में पाइपलाइन से एलपीजी की आपूर्ति की तैयारी को जल्द अंतिम रूप दिया जाएगा। इस दौरान बरौनी रिफाइनरी के विस्तारीकरण और सुपौल में 1000 करोड़ रुपए की लागत से एथेनॉल प्लांट लगाने पर भी चर्चा हुई। पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलकर उन्हें बिहार को पीएम द्वारा घोषित सवा लाख करोड़ के पैकेज की विस्तृत जानकारी दी

है। उनको पेट्रोलियम मंत्रालय की ओर से किए जा रहे कार्यों के बारे में भी बताया। लेकिन मंत्रालय 25 हजार करोड़ की योजना पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाना है। कुछ लोग देश में अर्थव्यवस्था को लेकर सिर्फ अनुमान पर ही अनर्गल टिप्पणी कर रहे हैं। उसे आम लोगों की योजनाओं के परिप्रेक्ष्य में देखना होगा। प्रधान ने कहा कि बिहार में उनकी सरकार सिर्फ विकास के एजेंडे पर काम करेगी। इसी को आधार बनाकर सरकार का गठन हुआ है। प्रधान ने कहा कि जीएसटी नए जूते के समान है, शुरु में तो यह कष्ट देता है लेकिन बाद में यही बेहद आरामदायक हो जाता है। बैठक में केंद्रीय मंत्री राधामोहन सिंह, आरके सिंह, रामकृपाल यादव, गिरिराज सिंह, अश्विनी चौबे ने अपने-अपने मंत्रालय से जुड़ी योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी दी।

छह हथियारबंद बदमाशों ने आपसी रंजिश में अधेड़ को मारी गोली

साहेबगंज.बरूआज के फुलवरिया गांव में पर्व के दौरान हुए विवाद को लेकर साहेबगंज के राजेपुर गांव में शुक्रवार की रात 9:30 बजे मो. नूर आलम (45) को तीन बाइक पर सवार छह हथियारबंद अपराधियों ने गोली मार दी। एक गोली बाएं कमर में और दूसरी गोली पेट के निचले हिस्से में लगी है। घटना को अंजाम देने के बाद सभी अपराधी बल्थी चौक की ओर भाग निकले। गोली मारने की घटना से गांव में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने अपराधियों को पकड़ने के लिए दौड़ भी लगाई, लेकिन तब तक अपराधी भाग निकले।

सूचना मिलने पर गांव में दलबल के साथ पहुंचे थानाध्यक्ष नवीन कुमार को ग्रामीणों के आक्रोश का सामना करना पड़ा। गांव की महिलाओं ने पुलिस पर विलंब से पहुंचने का आरोप लगाते हुए जीप को चारों तरफ से तलवार, लाठी, डंडा आदि से घेर लिया और हंगामा किया। किसी तरह थानेदार ने आक्रोशितों को समझाकर शांत कराया।

इसके बाद घायल को इलाज के लिए पीएचसी में भर्ती कराया। पीएचसी में बीडीओ मो. यूनुस सलीम व सीओ अनिल श्रीवास्तव ने घायल का हाल जाना। प्राथमिक उपचार के बाद घायल को एसकेएमसीएच रेफर कर दिया गया।

4 थानों की पुलिस कर रही कैंप

गांव में तनाव की सूचना मिलने पर साहेबगंज, मोतीपुर, बरूराज, देवरिया थाने की पुलिस व बीडीओ व सीओ मौके पर पहुंचे। जिला पुलिस बल के जवान गांव में गश्त कर रहे हैं। घटना को लेकर गांव में सन्नाटा पसरा है।

बोल नहीं पाती थी नाबालिग, घर छोड़ने के बहाने ऑटो ड्राइवर ने किया रेप

शेरघाटी/गुरूआ.बिहार के शेरघाटी में ऑटो से घर पहुंचने के नाम पर अंधेरे का फायदा उठाते हुए ड्राइवर ने बोलने में असमर्थ नाबालिग लड़की से रेप किया। घटना की जानकारी होते ही गुरूवार को पीड़िता की फैमिली ने गुरूआ थाना में लिखित शिकायत की। इधर गुरूआ थाने की पुलिस का कहना है कि थाना में आवेदन आया था लेकिन दोनों पक्षों ने आपस में समझौता कर लिया। इसके बाद शिकायतकर्ता आवेदन लेकर चला गया। नाबालिग के साथ रेप जैसी वारदात हो गई लेकिन शेरघाटी डीएसपी उपेंद्र प्रसाद को घटना की भनक तक नहीं हैं।

सब्जी बेचने वाली महिला ने टेम्पो ड्राइवर को पहचाना

बीते मंगलवार को दलित नाबालिग कुछ काम से आमस के महापुर आई थी। काम खत्म होते-होते अंधेरा हो गया। इसके बाद वह घर लौटने लगी। इस बीच आमस के हाहापुर के रहनेवाला एक ऑटो चालक रास्ते से जा रहा था। अकेली युवती को घर पहुंचाने के नाम पर ऑटो में बैठा लिया। घर पहुंचाने के बदले वह एकांत स्थान में ले जाकर रेप की घटना को अंजाम दिया। इसके बाद नाबालिग को छोड़कर वह गायब हो गया। इसी बीच महापुर में सब्जी बिक्री करनेवाली एक महिला जो अपने घर जा रही थी, उसने पूरे घटनाक्रम को अपनी आंखों से देख लिया। उसने दूसरे दिन पीड़िता की फैमिली को समूचे वारदात की जानकारी दी। इधर घटना की जानकारी होते ही युवती की फैमिली गुरूआ थाना में आरोपी ऑटो ड्राइवर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए लिखित शिकायत की।

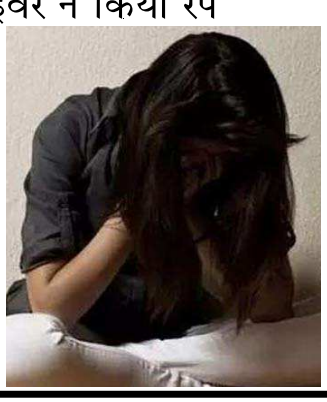

सिपाही के 9900 पदों के लिए आयोजित लिखित परीक्षा में बैठेंगे 61,659 अभ्यर्थी

सासाराम.9900 पदों के लिए सिपाही बहाली की लिखित परीक्षा 15 व 22 अक्टूबर को आयोजित होगी। सिपाही भर्ती परीक्षा में करीब 61,659 अभ्यर्थी शामिल होंगे। पंद्रह अक्टूबर को होने वाली परीक्षा के लिए जिले में 39 केन्द्र बनाए गए हैं। जबकि, 22 अक्टूबर को होने वाली परीक्षा जिले के 28 केन्द्रों पर संपन्न होगी। सासाराम में प्रथम और द्वितीय पाली की परीक्षा 21-21 केंद्रों पर होगी। परीक्षा दो घंटे की होगी प्रथम पाली की परीक्षा सुबह 10:00 से 12:00 बजे तक तथा दूसरी पाली की दोपहर 2:00 से 4:00 बजे के बीच होगी। अभ्यर्थियों को केंद्र पर एक घंटा पहले पहुंचने का निर्देश केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही बहाली) ने जारी किया है। 100 अंकों की लिखित परीक्षा में कम से कम 30 अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी ही शारीरिक जांच परीक्षा में शामिल होने के पात्र होंगे।

प्रवेश पत्र और सेंटर किए गए अपलोड

लिखित परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों का ई-प्रवेश पत्र तथा केंद्रों की सूची पर्षद की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। अभ्यर्थी प्रवेश पत्र डाउनलोड करने के बाद रौल नंबर के आधार पर परीक्षा केंद्र का मिलान केंद्रों की सूची से करेंगे।

11 लाख अभ्यर्थियों ने किया है आवेदन

बिहार पुलिस में सिपाही के लिए 9900 पदों पर बहाली होनी हैं। इसके लिए करीब 11 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। पुलिस के 9900 पदों पर बहाली के लिए 31 जुलाई से 30 अगस्त तक आवेदन लिए गये थे।

सूरत। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गृह क्षेत्र वडनगर में आगमन पर सूरत के प्रसिद्ध व्यवसायी लक्ष्मीपति ग्रुप की ओर से पांच कि.मी. लम्बी साड़ी का निर्माण किया गया है। यह साड़ी वडनगर के उन मुख्य मार्गों पर लगाई जाएगी जहां से मोदी जी के रोड़ शो का आरंभ होगा। लक्ष्मी पति साड़ी के चेयरमैन संजय सरावगी ने बताया कि जिस प्रकार सूरत में हुए मोदी जी के रोड़ शो में जगह-जगह पर डिस्प्ले किया गया था कुछ इसी प्रकार का डिस्प्ले वडनगर में भी किया जाएगा। पांच कि.मी. लम्बी इस साड़ी पर देश के प्रसिद्ध उद्योगपतियों तथा हस्तियों द्वारा मोदी जी के लिए दिए गए संदेश अंकित किए गए है। मोदी जी के स्वागत में तैयार यह साड़ी सूरत की तरफ से मोदी जी के लिए उपहार स्वरूप होगा।

सूरत। शहर के मगदल्ला क्षेत्र स्थित तापी नदी पर बने पुल के उपर सुरक्षा रेलिंग का लोकार्पण करते सांसद सीआर पाटिल तथा विधायक झंखना बेन पटेल द्वारा शनिवार को किया गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. द्वारा 31 लाख के खर्च से निर्मित इस सुरक्षा जाली के लग जाने से इस पुल से होने वाली दुर्घटनाओं में भारी कमी आएगी। विदित हो की तापी नदी पर बना यह पुल शहर से दुर सुनसान स्थान में होने के कारण बहुत सारे लोग इस पुल से कुद कर आत्म हत्या कर लेते थे। आत्म हत्या की इस घटनाओं को रोकने के लिए इस सुरक्षा जाली से काफी मदद मिलेगी।

सूरत। पिछले कई दिनों से शहर में पड़ रही भीषड़ गर्मी के बीच शनिवार की शाम अचानक मौसम ने करवट बदली। अचनाक तेज चली आंधी तथा धुल के गुब्बार से कई जगह वातावरण में तुफान सा छा गया। शहर के कई इलाकों में तेज हवाओं के झोके ने सड़क के किनारे पेड़ों को धरासाई कर दिया। जिससे उनके नीचे खड़े वाहनों को भारी क्षति पहुची ।

सूरत। आपातकालीन सेवा 108 एम्बुलेंस के कर्मचारियों द्वारा अपनी विविध मांगों को लेकर हड़ताल जारी है। जिसके चलते आपातकालीन सेवा पुरी तरह से चरमरा गई है। एम्बुलेंस सेवा के कर्मचारियो के हड़ताल पर चले जाने से उन मरीजों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है जिनके पास आने जाने के लिए न तो कोई साधन है न ही अस्पताल पहुंचने के लिए किराये की व्यवस्था। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है की सरकार ने लोक कल्याण के लिए जो योजनाए बनाई है यदि इन योजनाओं में कार्यरत कर्मचारियों को ही पुरी तरह से सुविधा उपलब्ध नहीं होगी तो वह अपनी सेवाएं जनता तक कैसे पहुंचा पाएंगे।

पहली अंत्योदय एक्सप्रेस को आज हरी झंडी दिखाएंगे पीएम मोदी

स्वतंत्र राजस्थान संवाददाता,सूरत। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को भरुच से वीडियो लिंक के जरिए उधना जंक्शन एवं जयनगर (बिहार) के बीच चलने वाली गुजरात की पहली अंत्योदय एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस अवसर पर भरुच में गुजरात मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल मौजूद रहेंगे। जबकि सूरत के उधना स्टेशन पर केन्द्रीय रेल एवं कोयला मंत्री पियूष गोयल, रेल राज्यमंत्री राजेन गोहेन के अलावा सूरत की महापौर समेत संबंधित क्षेत्रों के सांसद एवं विधायक उपस्थित रहेंगे।

प्रधानमंत्री 8 अक्टूबर को भरुच से वीडियो लिंक के जरिए ट्रेन संख्या 05564 अंत्योदय एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यह ट्रेन 8 अक्टूबर को उधना से रवाना होकर 10 अक्टूबर 2017 को बिहार के जयनगर पहुंचेगी। नियमित सेवा के रूप में ट्रेन संख्या 15564 उधना-जयनगर साप्ताहिक अंत्योदय एक्सप्रेस उधना स्टेशन से प्रत्येक रविवार को सुबह 8.50 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 22.40 बजे जयनगर पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी यात्रा में यह ट्रेन संख्या 15563 जयनगर-उधना साप्ताहिक अंत्योदय एक्सप्रेस जयनगर स्टेशन से प्रत्येक शुक्रवार को 1.20 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 13.00 बजे उधना पहुंचेगी। यात्रा के दौरान दोनों दिशाओं में यह ट्रेन नंदुरबार, अमलनेर, जलगांव, भुसावल, खंडवा, हरदा, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, सतना, शंकरगढ़, छेवकी, मिर्जापुर, मुगलसराय, बक्सर, आरा, पटना, मोकामा, बरौनी, समस्तीपुर और दरभंगा स्टेशनों पर ठहरेगी।

यह गुजरात की पहली एवं पश्चिम रेलवे पर परिचालित दूसरी अंत्योदय एक्सप्रेस है। पूर्णत: अनारक्षित यह ट्रेन उधना एवं जयनगर स्टेशनों के बीच चलेगी। यह भारत के पश्चिमी और उत्तरी भागों को सीधी सम्बद्धता प्रदान करेगी, जिसके फलस्वरूप गुजरात में उत्तरी भाग से कार्य के सिलसिले में आए लोगों को लाभ मिलेगा।

चक्कर आने से सड़क पर गिरी युवती की बस से कुचलकर मौत

वलसाड (ईएमएस)। जिले के धरमपुर में पुलिस थाने के निकट एक युवती अचानक चक्कर खाकर गिर गई। इसी दौरान वहां से गुजर रही बस उसे रौंदते हुए आगे बढ़ गई। इस हादसे में युवती की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक वलसाड जिले के धरमपुर में आज पुलिस थाने के निकट एक युवती सड़क पर साइड में खड़ी युवती चक्कर आने के बाद वहीं गिर गई। उसी वक्त राज्य परिवहन (एसटी) निगम की बस गुजर रही थी, जो युवती को रौंदते हुए आगे बढ़ गई। घटना इतनी अचानक घटी कि आसपास के लोग समेत वहां से गुजर रही बस का चालक भी समझ नहीं पाया। चालक जब तक बस नियंत्रण पाता तब तक काफी देर हो चुकी थी। सड़क पर गिरी युवती के बस के विकराल पहियों के नीचे से आने से मौत हो चुकी थी। पुलिस ने युवती के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। पूरी घटना निकट लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जिसके

आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में पता चला कि मृतक युवती धरमपुर की निवासी थी और स्थानीय स्कूल में पढ़ाई कर रही थी। यह हादसा उस समय पर हुआ जब युवती स्कूल से छूटकर अपने घर की ओर जा रही थी।

वडनगर में मोदी, 40 कटआऊट पोस्टर में पीएम का जीवन-चरित्र

वडनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को अपने गृहनगर में मेडिकल कॉलेज के लोकार्पण के लिए पहुंच रहे हैं। ऐसे में उनके जीवन की झांकी प्रस्तुत करते हुए उनके बचपन से लेकर अभी तक का जीवन चरित्र बताने वाले 40 पोस्टर्स पूरे एक किलोमीटर के मार्ग में लगाए गए हैं। नगर बना मोदीमय ?

वडनगर से वाराणसी तक की थीम पर आधारित इस फोटोग्राफी से पूरा शहर मोदीमय बन गया है। नगरवासी उत्साहित हैं। वे स्वयं को प्रधानमंत्री के बहुत ही करीब महसूस कर रहे हैं। गूंजा हेलीपेड से वडनगर तक 5 कि.मी. लम्बी साड़ी पर जनहितैषी विकास कार्यों और विभिन्न योजनाओं की झांकी दर्शायी गई है। पूरे शहर का रोशनी से श्रृंगार किया गया है।

होगी महाआरती

शर्मिष्ठा बेट पर शनिवार की शाम को वाराणसी के 11 पंडितों द्वारा महाआरती की जाएगी।

तालाब में 7 हजार दीयों को तैराया जाएगा। इसके अलावा एक व्यक्ति द्वारा शरीर पर 1001 दीयों के साथ नृत्य किया जाएगा। गढ़वी और उनके साथियों द्वारा वडनगर से वाराणसी तक की गाथा गाई जाएगी।

अहमदाबाद के दरियापुर से डस्टबिन में लावारिस मिले 8 देशी बम

अहमदाबाद। शनिवार की सुबह यहां दरियापुर इलाके के तंबू चौकी के बाहर डस्टबिन से देशी बम मिले। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई। पुलिस ने 8 देशी बम बरामद किए। ये बम तम्बाखू के डिब्बे में बंद करके रखे गए थे। त्योहार के इस सीजन में लावारिस पड़े 8 बमों के मिलने से लोगों में दहशत है। पुलिस के अलावा एफएसएल की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची।

बम देशी हैं, इसलिए अधिक नुकसान नहीं होता, फिर भी यह माना जा रहा है कि दहशत फैलाने के लिए इस तरह की हरकत की गई है। पुलिस ने आसपास के इलाकों की सघन जांच शुरू कर दी है।

मोदी जहां बेचते थे चाय, उस रेल्वे स्टेशन को सजाया फूलों से

वडनगर। नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली बार अपने गृहनगर जो रहे हैं, इसलिए स्वाभाविक है कि उनसे जुड़े एक-एक संस्मरण को संजोने का प्रयास किया जा रहा है। वडनगर के निवासियों में जितना अधिक उत्साह देखा जा रहा है, उसे देखते हुए प्रशासन भी अपनी तरफ से कोई कसर बाकी नहीं रखना चाहता। एक-एक चीज को पूरी सावधानी से तैयार किया जा रहा है। मोदी ने जिस मुद्दे पर पिछली लोकसभा चुनाव की वैतरणी पार की थी, उस चाय पे चर्चा का भी विशेष ध्यान रखा गया है। बचपन में उन्होंने रेल्वे स्टेशन के जिस केबिन पर चाय बेची थी, उस केबिन को विशेष रूप से सजाया गया है। केबिन के आगे रेल्वे के पुराने जमाने की बेंच भी रखी गई है। इसके अलावा केतली की प्रतिकृति भी रखी गई है। पूरे रेल्वे स्टेशन परिसर को फूलों से सजाया गया है।

सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन की मौत, नौ घायल

बनासकांठा (ईएमएस)। जिले के डीसा निकट बनास नदी के पूल पर ट्रेक्टर व जीप के बीच भिडंत होने पर एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई जबकि नौ लोग घायल हो गए जिसमें छह व्यक्ति की हालत गंभीर है। पुलिस ने तत्काल घटनास्थल पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु की है। सूत्रों के मुताबिक बनासकांठा जिले के डीसा तहसील के वाहरा गांव निवासी एक परिवार ट्रेक्टर में खरडोसण भजनसंध्या कार्यक्रम में हिस्सा लेने जा रहे थे। बनास नदी के पूल पर से ट्रेक्टर गुजर रहा था। इस दौरान पीछे से तेज गति से आ रही जीप ट्रेक्टर से टकरा गई। इस हादसे में ससुर, बहु समेत एक परिवार के तीन सदस्यों की गंभीर रुप से घायल होने पर तीनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि नौ लोग घायल हो गए जिसमें छह लोगों की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने तत्काल घटनास्थल पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिसने मामला दर्ज कर जांच शुरु की है। वहीं एक ओर घटना में सुरत सेन्ट्रल जेल के सुबेदार हर्षदभाई तंबोली अपने परिवार के साथ बहुचराजी मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। मेहसाना हाईवे पर शिवाला सर्किल पर हर्षदभाई की कार को ट्रेकटर ने अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में सुबेदार हर्षदभाई की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि चार महिलाएं जख्मी हो गई।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्प्लेक्ष सचीन रेल्वे स्टेशन के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं तापीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या (पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) E-mail: krantisamay@gmail.com